पाठ–1

मैं अमर शहीदों का चारण

– श्रीकृष्ण 'सरल'

देश की आज़ादी के लिए मर मिटनेवालों के द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण करते रहना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है, पर आज हम उन्हें केवल राष्ट्रीय पर्वों पर ही याद करते हैं। यदि हम पीढ़ी–दर–पीढ़ी अमर शहीदों के प्रति कृतज्ञ रहें, तब भी उनका यह ऋण चुकाया नहीं जा सकेगा। इस पाठ में कवि ने अमर शहीदों के बलिदान का ओजस्वी गायन किया है।
इस पाठ में हम सीखेंगे– कविता को पढ़कर अर्थ ग्रहण करना, समानोच्चारित शब्द, विलोम शब्द, वर्णक्रम के अनुसार शब्द लिखना ।

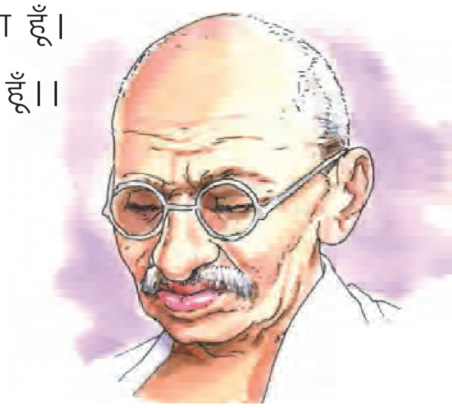

मैं अमर शहीदों का चारण, उनके यश गाया करता हूँ।
जो कर्ज राष्ट्र ने खाया है, मैं उसे चुकाया करता हूँ।।
यह सच है, याद शहीदों की
हम लोगों ने दफनाई है,
यह सच है उनकी लाशों पर
चलकर आजादी आई है।
उन गाथाओं से सर्द खून को, मैं गरमाया करता हूँ।
मैं अमर शहीदों का चारण, उनके यश गाया करता हूँ।।

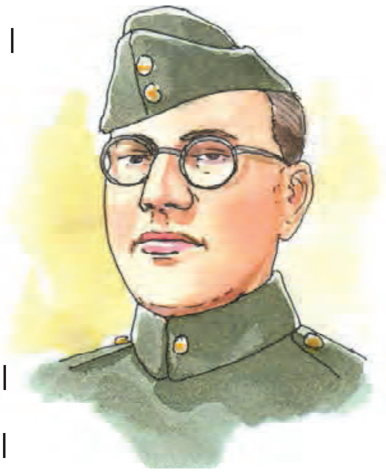

गिरता है उनका रक्त जहाँ,
वे ठौर तीर्थ कहलाते हैं,
वे रक्तबीज अपने जैसों को
नई फसल दे जाते हैं।
यह धर्म, कर्म, यह मर्म सभी को, मैं समझाया करता हूँ।
मैं अमर शहीदों का चारण उनके यश गाया करता हूँ।।

शिक्षण–संकेत– बच्चों को अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह, राम प्रसाद 'बिस्मिल', सुभाष चंद्र बोस आदि के जीवन की भिन्न–भिन्न घटनाएँ सुनाएँ और भारत की स्वतंत्रता में उनके योगदान को बताएँ। अपने राज्य के क्रांतिवीरों जैसे शहीद वीरनारायण सिंह आदि का परिचय दें। कविता का लय के साथ पाठ करें और बच्चों से अनुकरण वाचन कराएँ तथा छोटे–छोटे प्रश्नों की सहायता से भाव स्पष्ट करें।

वे अगर न होते तो, भारत
मुर्दों का देश कहा जाता,
जीवन ऐसा बोझा होता
जो हमसे नहीं सहा जाता।

इस पीढ़ी में उस पीढ़ी के, मैं भाव जगाया करता हूँ।
मैं अमर शहीदों का चारण, उनके यश गाया करता हूँ।।

पूजे न गए शहीद तो फिर
वह बीज कहाँ से आएगा?
धरती को माँ कहकर मिट्टी
माथे से कौन लगाएगा?

मैं चौराहे–चौराहे पर, ये प्रश्न उठाया करता हूँ।
जो कर्ज राष्ट्र ने खाया है, मैं उसे चुकाया करता हूँ।।

शब्दार्थ

नीचे कुछ शब्दों के अर्थ नहीं दिए गए हैं। उनके अर्थ कोष्ठक में से छाँटकर शब्दों के सामने लिखो।

(ऋण, मुर्दों को जमीन में गाड़ने की क्रिया)

अमर	–	जो न मरे	गाथा	–	कथा, कहानी
शहीद	–	बलिदानी	चारण	–	कीर्ति–गायक, भाट
यश	–	बड़ाई	कर्ज	–	....
दफनाई	–	....	मर्म	–	रहस्य
सर्द	–	ठंडा			

टिप्पणी

रक्तबीज– रक्तबीज शुंभ और निशुंभ निशाचरों का एक सेनापति था, जिसे देवी दुर्गा ने मारा था। कहते हैं रक्तबीज के शरीर से रक्त की जितनी बूँदें धरती पर गिरती थीं, उतने ही नए राक्षस पैदा हो जाते थे।

वे ठौर तीर्थ कहलाते हैं – रायपुर में जयस्तंभ चौक, इलाहाबाद में आजाद पार्क, अमृतसर में जलियाँवाला बाग ऐसे ही तीर्थ स्थल हैं।

वह बीज कहाँ से आएगा – देशभक्त एवं देशहित में बलिदान देनेवाली पीढ़ी कैसे पैदा होगी?

प्रश्न और अभ्यास

प्रश्न 1. यदि देशभक्तों ने अपनी कुर्बानी न दी होती तो देश पर क्या प्रभाव पड़ता?

प्रश्न 2. कवि किसका यशगान कर रहा है?

प्रश्न 3. राष्ट्र के कर्ज को कवि किस प्रकार चुकाना चाहता है?

प्रश्न 4. कवि के अनुसार यदि शहीदों को न पूजा गया तो उसका परिणाम क्या होगा?

प्रश्न 5. कवि के अनुसार जहाँ शहीदों का रक्त गिरता है, उस स्थान को क्या कहते हैं?

प्रश्न 6. कविता की उन पंक्तियों को लिखो जिनमें ये भाव आए हैं–

(क) शहीदों को न पूजने का परिणाम बताया गया है।

(ख) शहीदों के बलिदान–स्थल को तीर्थ कहा गया है।

(ग) जीवन को बोझ माना गया है।

प्रश्न 7. निम्नलिखित पंक्तियों के अर्थ स्पष्ट करो–

(क) यह सच है, याद शहीदों की
हम लोगों ने दफनाई है।
यह सच है, उनकी लाशों पर
चलकर आज़ादी आई है।

(ख) पूजे न गए शहीद तो फिर,
वह बीज कहाँ से आएगा?
धरती को माँ कहकर मिट्टी,
माथे से कौन लगाएगा?

प्रश्न 8. ''उन गाथाओं से सर्द खून को, मैं गरमाया करता हूँ''– यह पंक्ति लिखकर कवि, पाठकों में कौन–सा भाव जागृत करना चाहता है?

प्रश्न 9. ''इस पीढ़ी में उस पीढ़ी के मैं भाव जगाया करता हूँ'', ऐसे कौन–से भाव हैं जो कवि आज की पीढ़ी में जगाना चाहता है?

भाषातत्व और व्याकरण

गतिविधि

विद्यार्थियों को कविता याद करने को कहें, फिर पुस्तक बंद करवा दें। अब एक समूह कविता की कोई एक पंक्ति बोलेगा और दूसरा समूह उसके आगे की पंक्ति बोलेगा।

प्रश्न 1. धर्म, कर्म, मर्म समान उच्चारण वाले शब्द हैं। ऐसे शब्द समानोच्चारित शब्द कहे जाते हैं। निम्नलिखित शब्दों के दो–दो समानोच्चारित शब्द लिखो–

चारण, अमर, कर्ज।

प्रश्न 2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो– (याद रखो, विदेशी शब्दों का विलोम विदेशी शब्द ही होगा, जैसे– 'अमीर' का विलोम 'गरीब' होगा 'निर्धन' नहीं।)

यश, जगाना, आजादी, मुर्दा, धर्म, धरती, जीवन।

प्रश्न 3. निम्नलिखित शब्दों को शब्दकोश के क्रम में लिखो– जैसे – अगर, ईख, कमल, चलना, हँसिया आदि।

लगाव, रसद, अमर, यश, धरती, दमन, शहद, नवल, फसल, शहीद।

सोचो और लिखो–

प्रश्न 4. 'याद' शब्द को उल्टा लिखने पर 'दया' शब्द बनता है। इसी प्रकार के पाँच अन्य शब्द लिखो, जो उल्टा करने पर सार्थक शब्द बन जाते हों।

रचना

- सैनिकों के बारे में तुम क्या–क्या जानते हो लिखो।
- तुम देश की सुरक्षा में कैसे सहयोग कर सकते हो ?
- क्रांतिकारियों के चित्र एवं जानकारियाँ एकत्रित कर स्क्रैप बुक में चिपकाओ।
- राष्ट्र प्रेम से संबंधित स्लोगन एकत्रित कर कक्षा में सुनाओ।

गतिविधि

- चंद्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, मंगल पांडे, बहादुरशाह 'ज़फर', वीर नारायण सिंह आदि क्रांतिकारियों के चित्र एकत्र करो, उन्हें कक्षा में लगाकर, कक्षा सजाओ।

  कविता की इन पंक्तियों को पढ़ो और याद करो–

  शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले।
  वतन पर मरनेवालों का यही बाकी निशाँ होगा।।

58I8KC

- कवि श्रीकृष्ण 'सरल' ने शहीदों से संबंधित अनेक कविताएँ लिखी हैं। किसी अन्य कवि की किसी शहीद पर लिखी कविता बालसभा में सुनाओ।